हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHINè2022è83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 44 | लखनऊ शनिवार 08 नवम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

वंदे मातरम् के टुकड़े किए, देश के विभाजन के बीज बोए : मोदी

'वंदेमातरम्' के 150 साल पूरे, स्मरण समारोह में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर शुक्रवार को परोक्ष हमला करते हुए कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और ऐसी विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए अब भी चुनौती है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरूआत करते हुए ये टिप्पणियां कीं।

मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। मोदी ने कहा, वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया। इसने हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण छंदों को... उसकी आत्मा को निकाल दिया गया।

स्मरणोत्सव

- वंदेमातरम स्वतंत्रता संग्राम का स्वर बन गया जो हर क्रांतिकारी की जुबान पर था
- 1937 में हटाए गए वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंद, विभाजनकारी मानसिकता अब भी चुनौतीः मोदी
- मोदी ने इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया

वंदे मातरम्के विभाजन ने विभाजन के बीज भी बोये। आज की पीढ़ी को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ... यह विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए आज भी एक चुनौती है।

प्रधानमंत्री ने वंदे मातरम्को हर युग में प्रासंगिक बताते हुए ऑपरेशन सिंदूर का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, जब दुश्मन ने आतंकवाद का इस्तेमाल करके हमारी सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि भारत दुर्गा का रूप धारण करना जानता है। उन्होंने कहा कि आज जब देश वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे कर रहा है, तो यह हमें नयी प्रेरणा देता है और देशवासियों को नयी ऊर्जा से भर देता है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम एक शब्द है, एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है, एक संकल्प है। यह भारत माता के प्रति समर्पण है, भारत माता की आराधना है। यह हमें हमारे इतिहास से जोड़ता है और हमारे भविष्य को नया साहस देता है। ऐसा कोई संकल्प नहीं है जिसे पूरा न किया जा सके, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे हम भारतीय हासिल न कर सकें। हमें एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है जो ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधार पर शीर्ष पर हो। यह कार्यक्रम सात नवंबर 2025 से सात नवंबर 2026 तक मनाए जाने वाले एक साल के राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव की औपचारिक शुरूआत है।

इस स्मरणोत्सव में उस कालजयी रचना के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा जिसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया और राष्ट्रीय गौरव एवं एकता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। बंकिम चंद्र चटर्जी ने सात नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के अवसर पर राष्ट्रीय गीत मवंदे मातरम की रचना की थी। वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ के एक भाग के रूप में प्रकाशित हुआ था।

यूपी का बीते आठ वर्ष में हुआ विकास हमारे कर्तव्यों की ही अभिव्यक्ति है: योगी

मुख्यमंत्री ने वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में भाग लिया

संवाददाता

लखनऊ। भारत की आजादी का अमर मंत्र बन गया था वन्दे मातरम् सीएम योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित वन्दे मातरम का किया गया सामूहिक गायन व लिया गया स्वदेशी का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का किया गया लाइव प्रसारण -बोले- आजादी के मंत्र को बढ़ाने और भारत को नई दिशा देने में सफल हुआ वंदे मातरम गीत कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाता है वन्दे मातरमः सीएम योगी 150 वर्ष से भारत को प्रतिनिधित्व देते हुए

राष्ट्रीयता का भाव पैदा करने में सफल हुआ है यह गीतः योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रगीत वन्दे मातरम्के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को किया नमन लखनऊ, विशेष संवाददाता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश बीते आठ वर्षों में जिन ऊंचाइंयों की ओर अग्रसर हुआ है, यह हमारे कर्तव्यों की ही अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम गीत हमें कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाता है। आजादी के मंत्र को बढ़ाने और भारत को नई दिशा देने में भी वंदे मातरम गीत सफल हुआ है। मुख्यमंत्री योगीने वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं।

वंदे मातरम गीत आरएसएस-बीजेपी ने कभी नहीं गाया, नमस्ते सदा वत्सले गाते हैं

कांग्रेस अध्यक्ष ने वंदेमातरम 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को बीजेपी और आरएसएस पर वंदेमातरम गीत के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने और अपने कार्यालयों, शाखाओं, अपने ग्रंथों या साहित्य में इसे छूटने का आरोप लगाया, जबकि यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक लोकप्रिय नारा है। खड़गे के मुताबिक संघ भारत के राष्ट्रीय गीत की बजाय संगीतमय प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले गाना पसंद करता है।

कांग्रेस पार्टी की परंपराओं से इसकी तुलना करते हुए, उन्होंने कहा कि 1986 से लेकर आज तक, कांग्रेस की हर बैठक, चाहे वह पूर्ण

अधिवेशन हो या ब्लॉक स्तरीय बैठक नेताओं ने वंदे मातरम गाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने वंदेमातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर जारी बयान में कहा कि यह बहुत ही विडंबनापूर्ण है कि जो लोग आज राष्ट्रवाद के स्वयंभू संरक्षक होने का दावा करते हैं- आरएसएस और बीजेपी, उन्होंने कभी भी अपनी शाखाओं या कार्यालयों में वंदे मातरम या हमारा राष्ट्रगान जन गण मन नहीं गाया। इसके बजाय वे नमस्ते सदा वत्सले गाते हैं, जो राष्ट्र का नहीं, बल्कि उनके संगठनों का महिमामंडन करने वाला गीत है।

आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

स्कूलों, बस अड्डों आदि सार्वजनिक जगहों से हटाएं और भेजें शेल्टर होम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने निर्देश दिया, कि स्कूलों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थलों के पास घूम रहे आवारा कुत्तों को तुरंत हटाकर शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि इन स्थानों को पूरी तरह ह्यस्ट्रे डॉग फ्रीह्व जोन बनाया जाए, ताकि आम नागरिकों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

यह कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू की। अदालत ने 28 जुलाई को दिल्ली में कुत्तों के हमले से एक बच्चे की मौत और रेबीज के मामलों पर आई मीडिया रिपोर्ट्स को आधार बना कर मामले

की सुनवाई की थी। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा, कि कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार वृद्धि बेहद चिंताजनक है और इसे रोकने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। शीर्ष अदालत ने सभी राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि वे एक संयुक्त अभियान चलाकर सड़कों और सार्वजनिक परिसरों से आवारा कुत्तों को पकड़ें और उन्हें सुरक्षित रूप से शेल्टर होम में रखें। साथ ही, वहां उनकी नियमित देखभाल और टीकाकरण की उचित व्यवस्था की जाए।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की क्रूरता या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसका पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

अदालत ने इस दौरान राज्य सरकारों की लापरवाही पर भी नाराजगी जताई। दरअसल, 27 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने पाया था कि पूर्व में दिए गए आदेशों के बावजूद अधिकांश राज्यों ने अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया था। केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ही रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। अदालत ने कहा, कि इस मसले पर सभी राज्यों को गंभीरता दिखानी होगी, क्योंकि यह सीधे तौर पर नागरिकों की जान की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से देशभर में सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को नियंत्रित करने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।

दिल्ली एयरपोर्ट का एटीसी सिस्टम खराब

100 से ज्यादा फ्लाइट अटकीं

रही अफरातफरी

- न टेकऑफ न लैंड, लेट लतीफी के चलते सैकड़ों यात्री फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब यहां का एटीसी सिस्टम खराब हो गया। एयरपोर्ट पर न तो कोई फ्लाइट टेकऑफ कर पा रही है और न ही लैंड हो पा रही है। इसके चलते सौ से ज्यादा फ्लाइट लेट हो गई। सैकड़ों यात्री एयरपोर्ट पर फंसे हैं उनकी यात्रा कब होगी किसी को नहीं मालूम। हालांकि विमान कंपनियों ने भरोसा दिलाया है कि वे अपनी फ्लाइट पर नजर रखें और व्यवस्थाओं को सुचारु किया जा रहा है।

देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे,

आईजीआईए, पर हर दिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार शाम से शुरू हुई तकनीकी समस्याओं ने एटीसी को स्वचालित उड़ान योजनाएं प्राप्त करने में असमर्थ कर दिया। ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम में खराबी के कारण यातायात नियंत्रक मैन्युअल रूप से उड़ान योजनाएं तैयार कर रहे हैं, जिससे प्रक्रिया में देरी हो रही है। इसके अलावा, बढ़ता हवाई यातायात और हवाई अड्डे पर चल रहा निर्माण कार्य भी इस व्यवधान का कारण बन रहा है।

बिहार में बदलाव होने जा रहा : आजम

बेटे अब्दुल्ला संग आजम ने अखिलेश से की मुलाकात

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से शुक्रवार को मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए आजम खान ने कहा कि बिहार में बदलाव आने जा रहा है। बिहार जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं बिहार चला जाऊं तो क्या होगा। बिहार में बदलाव होने जा रहा है।

उन्होंने बिहार की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। आजम खां ने कहा, मुलाकात में क्या हुआ ये तो नहीं बताया जा सकता। बस इतना कहूंगा कि यह रिश्तों की मुलाकात थी। कोई नई मुलाकात नहीं। ये सिर्फ राजनीतिक रिश्ते नहीं हैं, बल्कि उस जमाने के हैं (अखिलेश यादव के पिता के जमाने

के) जब हम सिर्फ विधायक थे और उस वक्त ये गुमान भी नहीं था कि हम कभी सरकार बना पाएंगे। आगे भी उम्मीद करते हैं कि हम सरकार बनाएंगे। बस फर्क इतना होगा कि हमें पता नहीं था कि सरकार का काम क्या-क्या होता है। आजम खां ने कहा, हम तो बस ये समझते थे कि वहां बैठे आखिरी व्यक्ति को देखें कि कहीं उसकी आंखें नम तो नहीं, अगर हैं तो उसके आंसू पोंछें।

अगर वह बेसहारा है तो सरकार उसका सहारा बने, हमें नहीं पता था कि सरकार का काम किसी को बर्बाद कर देना। फना कर देना, खानदानों को नेस्तनाबूद कर देना भी है। इसका क्या अंजाम होगा? इस अंजाम से बचाने के लिए हम सब लोग मिलकर चाहते हैं कि कोशिश करें और हालात ऐसे हैं कि कोशिश बेकार नहीं जाएगी। आजम खां ने कहा, दामन फैलाएंगे तो आंसुओं से भर जाएगा। बहुत साथ मिलेगा। ये मैं आपको किसी फिल्म का डायलॉग नहीं सुना रहा हूं। किसी अफसाने का हिस्सा नहीं सुना रहा हूं। वो सच है जो आपके सामने खड़ा है। ऐसा हिंदुस्तान किसी को नहीं चाहिए होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अगले साल आ सकते हैं भारत

प्रधानमंत्री मोदी को कहा- 'ग्रेट मैन'

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी बातचीत और भारत के साथ व्यापार वार्ता कैसी चल रही है, तो उन्होंने कहा, बहुत बढ़िया, अच्छी चल रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने रूस से तेल खरीदना काफी हद तक बंद कर दिया है। ट्रंप ने कहा, ह्यवह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं। वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। हम इस पर विचार कर रहे हैं। मैं जाऊंगा। मैंने वहां प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक शानदार यात्रा की थी। वह एक महान व्यक्ति हैं।

मैं फिर जाऊंगा। ट्रंप ने कहा, और

मैंने कहा, सुनो, अगर तुम लोग लड़ते रहोगे तो मैं तुम पर शुल्क लगा दूंगा। वे दोनों खुश नहीं थे लेकिन 24 घंटे के भीतर मैंने वह युद्ध सुलझा दिया। अगर मेरे पास शुल्क (टैरिफ) न होता तो मैं वह युद्ध नहीं रोक पाता। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुल्क को राष्ट्रीय रक्षा का एक बड़ा माध्यम भी बताया। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए युद्ध को व्यापार के जरिये रुकवाया था।

ट्रंप के परमाणु परीक्षण वाले बयान पर भारत की दो टूक

कहा- अवैध गतिविधियां पाकिस्तान के इतिहास का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान और अमेरिका जैसे देशों के साथ भारत के रिश्ते पर बयान दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की हालिया टिप्पणी पर कहा, भारत इस विषय से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने कहा, 'गुप्त और अवैध परमाणु गतिविधियां पाकिस्तान के इतिहास का हिस्सा रही हैं।'

पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के संस्थापक और वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान का उल्लेख करते हुए जायसवाल ने कहा, दशकों से पड़ोसी देश की नीतियां तस्करी, निर्यात नियंत्रण उल्लंघन, गुप्त साझेदारियों, एक्यू खान नेटवर्क और परमाणु प्रसार पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान से जुड़े इन पहलुओं की तरफ अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान

हमेशा आकर्षित किया है।

'फिलहाल ट्रंप के भारत आने पर सूचना नहीं'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे वाले बयान से जुड़े सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'जहां तक राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के बारे में टिप्पणियों का सवाल है, मेरे पास इस बारे में साझा करने के लिए कुछ नहीं है। जब मेरे पास इसके बारे में साझा करने के लिए कुछ होगा, तो मीडिया के साथ जानकारी साझा की जाएगी।' बता दें कि ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा था, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत बेहद अच्छी चल रही है और वे जल्द ही भारत दौरे पर आ सकते हैं।

ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने (भारत) रूस से तेल खरीदना काफी हद तक बंद कर दिया है। मोदी मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं और उन्होंने मुझे भारत आने का न्योता दिया है। हम तारीख तय करेंगे... प्रधानमंत्री मोदी एक महान व्यक्ति हैं और मैं भारत जाऊंगा।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जो सक्रिय रूप से परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ देशों की यही प्रवृत्ति दशार्ती है कि अमेरिका के लिए भी अपने परमाणु परीक्षण को फिर से शुरू करना जरूरी हो गया है।

चार नहीं, दस लाख रुपए महीना दो गुजारा भत्ता

मोहम्मद शमी की पत्नी की डिमांड पर एक्शन में सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां की पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अपने लिए और अपनी बेटी के लिए हर महीने चार लाख रुपये के बजाए दस लाख के गुजारा भत्ता दिए जाने की मांग की है।

इस पर सर्वोच्च अदालत ने ऐक्शन लेते हुए शमी और पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है। हसीन जहां कई सालों से मोहम्मद शमी से अलग रह रही हैं और उनके साथ दोनों की बेटी भी रहती है। जहां ने कलकत्ता हाई कोर्ट के पिछले फैसले

को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें 1.5 लाख रुपये प्रति माह और उनकी बेटी की देखभाल के लिए 2.5 लाख रुपये दिए जाने का आदेश दिया गया था। उनका कहना है कि यह धनराशि अपर्याप्त है। ऐसे में इसे बढ़ाकर दस लाख रुपये किया जाना चाहिए। जहां की यह अपील जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच के सामने लिस्ट की गई थी।

सरकार बनी तो शिक्षा व रोजगार पर जोरः राहुल

कांग्रेस सांसद ने शुक्रवार को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में आयोजित की जनसभा

बिहार चुनाव

- बिहार के नालांदा विश्वविद्यालय का प्राचीन गौरव लौटाया जाएगा
- बुनकरों व मखाना किसान को उपलब्ध कराएं जाएंगे बाजार
- एक बार फिर से उठाया वोट चोरी का मुद्दा

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव प्रचार चरम पर है। तमाम दलों के नेता रैलियों और जनसभाओं के जरिए मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से महागठबंधन उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगा। भागलपुर की जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर विशेष बल दिया जाएगा।यह सरकार गरीब, पिछड़े, अति पिछड़े, किसान, मजदूर और युवाओं की होगी। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय का प्राचीन गौरव लौटाया जाएगा। इसे विकसित किया जाएगा। यहां पूर्व की तरह विदेशों से लोग शिक्षा ग्रहण करने आएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के बुनकरों और मखाना किसान के लिए बाजार और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, ताकि उनको उनके उत्पाद का उचित कीमत मिल सके। राहुल गांधी ने यहां एक बार फिर से वोट चोरी का मुद्दा उठाया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

वोट चोरी का प्लान पूरे देश में लागू करना चाहती है। इन्होंने हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में यही काम किया है। अब ये यही काम बिहार में करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा पर हमला करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके कई नेताओं ने गुरुवार को बिहार में वोट दिया, उन्हीं नेताओं ने दिल्ली चुनाव में भी वोट दिया था। एक तरफ भाजपा नेताओं को एक से ज्यादा वोट देने दिया जा रहा है, वहीं, दूसरी तरफ उनके वोट काटे जाते हैं, जो कांग्रेस या महागठबंधन को वोट देते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में भी फर्जी वोटर लिस्ट आएगी और भाजपा के लोग फर्जी वोट डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन बिहार की जनता ऐसा नहीं होने देगी, वो पोलिंग बूथ पर खड़ी होकर वोट चोरी रोकेगी।

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान में हिंदुस्तान की जनता की आवाज है, लेकिन भाजपा के लोग अमीरों की मदद करने के लिए, जनता का धन लूटने के लिए और संविधान को कुचलने के लिए वोट चोरी करते हैं। भागलपुर की जनता से उन्होंने कहा, मैं बस यही कहना चाहता हूं, भाजपा और चुनाव आयोग के लोग बिहार की जनता के बारे में नहीं जानते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में राजा भैया होंगे शामिल

एकजुट होने का आह्वान

- इस यात्रा में सनातनियों से भारी संख्या में शामिल होने की अपील की
- कहा- जातिवाद को दूर करना, जातिपात की करो विदाई हम सब हिंदू भाई भाई

संवाददाता

लखनऊ। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में आज दिल्ली से वृंदावन तक सनातन हिंदू एकता पदयात्रा निकली। इस पदयात्रा में शामिल होने के लिए जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया ने सभी सनातनियों से एकजुट होने का आह्वान किया। इस यात्रा में रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया भी शामिल होंगे। एकजुट होने की अपील करने साथ ही मकसद भी बताया है। राजा भैया ने कहा कि इस पद यात्रा का उद्देश्य सनातनियों में

हिन्दुओं में जागरूकता लाना। उन्होंने कहा कि जातिवाद आज अभिशाप है।

उन्होंने कहा कि जातिवाद को दूर करना, जातिपात की करो विदाई हम सब हिंदू भाई भाई ', नारे के साथ भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण, यमुना मैया की स्वच्छता अनेक मुद्दे को लेकर ये यात्रा की आरंभ हो रही है। इस यात्रा में सनातनियों से भारी संख्या में शामिल होने की अपील की। इससे सफल बनाए। राजा भैया ने कहा कि वे सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में शामिल होंगे।

सम्पादकीय

पंथनिरपेक्षता का दिखावटी चेहरा

पिछले दिनों अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पत्नी उषा वेंस के बारे में दिया गया एक बयान बहुत चर्चा में रहा। उनकी पत्नी उषा भारतीय मूल की हैं। विवाह भले ही उन्होंने वेंस से किया हो, वह मानती हिंदू धर्म को ही हैं। वेंस ने कहा कि उन्हें लगता है कि उषा एक न एक दिन ईसाई धर्म अपना लेंगी। वह उनके साथ चर्च भी जाती हैं और ईसाइयत में रुचि भी रखती हैं। वेंस ने यह भी बताया कि उनके बच्चों को ईसाई धर्म में दीक्षित किया गया है। वे उन्हीं तौर-तरीकों से पाले जा रहे हैं। इस संदर्भ में कुछ साल पहले शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान की ओर से दिया गया यह वक्तव्य याद आ गया कि वह हिंदू हैं, लेकिन उनका बेटा आर्यन इस्लाम को मानता है। इंटरफेथ शादियों में ऐसा हो सकता है कि पिता एक धर्म को मानता हो और मां किसी और धर्म को, लेकिन बच्चों के साथ मुसीबत यह होती है कि उन्हें चुनाव का कोई अधिकार नहीं दिया जाता। जन्मते ही उन पर माता-पिता का धर्म लाद दिया जाता है। प्रायः उनके नाम भी वैसे ही रखे जाते हैं। कई बार नाम फर्क भी हो सकते हैं, जैसे शाहरुख के बेटे का नाम आर्यन या जेडी वेंस के बेटे का नाम विवेक है।

हमें गलतफहमी है कि पश्चिम में लोग सही मायने में पंथनिरपेक्ष होते हैं। वे अपना मजहब किसी पर लादते नहीं हैं। एक ही घर में अलग-अलग पंथों को मानने वाले लोग रह सकते हैं और राज्य का कोई मजहब नहीं होता। वास्तविकता में ऐसा है नहीं। यदि ऐसा होता तो अमेरिकी राष्ट्रपतियों को बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ क्यों लेनी पड़ती? क्यों इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को कहना पड़ता कि वे ईसाई हैं। जेडी वेंस के बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। वे शायद ट्रंप के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के लिए कैथोलिक बहुल अमेरिका को खुश करना चाहते हैं। जब वेंस उपराष्ट्रपति बने थे तो भारतीय लोग बड़े खुश हुए थे कि चलो उनकी पत्नी का भारत से कुछ रिश्ता है।

उपराष्ट्रपति बनने के बाद वे भारत भी आए और दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर भी गए। न जाने क्यों जब भी किसी भारतीय मूल के व्यक्ति को कोई बड़ा पद मिलता है या उसे कोई सफलता हासिल होती है तो हम उसे अपने ही चश्मे से देखने लगते हैं। सोचते हैं कि अपनी जड़ों के कारण यह व्यक्ति भारत के लिए भी कुछ अच्छा करेगा, लेकिन अक्सर ऐसा होता नहीं है। राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए भारत में बड़ी प्रार्थना की गई थी। वे बाइडेन प्रशासन में उपराष्ट्रपति थीं। हम भूल गए कि वे अतीत में किस तरह भारत विरोधी बयान दे चुकी हैं। हमें याद रखना चाहिए कि जो विदेशी नागरिक है, वह अपने ही देश को प्राथमिकता देगा, भले ही उसकी जड़ें भारत में रही हों।

मजहबी कारणों से इस धरती पर जितने लड़ाई-झगड़े और खून–खराबा हुआ है, उसकी कल्पना करना मुश्किल है। इस लड़ाई-झगड़े के पीछे मूल सोच यह रहता है कि हमारा मजहब दूसरे से श्रेष्ठ है। इसलिए जब तक यह पूरी दुनिया ही हमारे मजहब के झंडे तले नहीं आ जाती, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। मतांतरण पर अरबों–खरबों खर्च इसीलिए किए जाते हैं। जो लोग विविधता को सेलिब्रेट करते हैं, वही यह भी चाहते हैं कि दुनिया में सिर्फ हमारी पसंद का ही धर्म रहना चाहिए। उन्हें लगता है कि ऐसा होने पर ही दुनिया जीने के काबिल रहेगी।

एक लड़की का दशकों पहले अमेरिका में रहने वाले एक लड़के से विवाह हुआ। लड़की हिंदू थी, लड़का ईसाई। लड़के ने कहा कि उसकी कोई और शर्त नहीं है, सिवाय इसके कि लड़की ईसाई बन जाए। लड़की ने ऐसा ही किया। साथ में पढ़ने वाली एक महिला ने एक मुस्लिम से विवाह किया। उसने धर्म नहीं बदला, लेकिन उसके दोनों बच्चे पति के धर्म को ही मानने वाले बने। एक मुसलमान लड़की स्विट्जरलैंड में उच्च पद पर काम करती थी। वह दक्षिण अफ्रीका से आई थी। उसका इंग्लैंड के एक लड़के से प्रेम हो गया। जब दोनों को लगा कि विवाह कर लेना चाहिए तो लड़की ने कहा कि उनके बच्चे मुसलमान ही होंगे। क्या ऐसे विवाह सच में प्रेम विवाह हैं? आम तौर पर लोग अपनी आने वाली पीढ़ी को उसी रूप में देखना चाहते हैं, जैसे वे खुद हैं। साफ है कि बातें भले ही पंथनिरपेक्षता और सारे धर्मों का सम्मान करने को लेकर की जाएं, चाहत अपने धर्म के प्रसार की ही होती है। दुनिया में कोई और समूह इतने बड़े नहीं हैं, जितने धार्मिक समूह। इनके हिस्से बनकर हम ताकतवर महसूस करते हैं, क्योंकि कोई भी अकेला रहकर जी नहीं सकता। इसीलिए सब किसी न किसी धर्म का हिस्सा बनना चाहते हैं। जो लोग खुद को नास्तिक कहते हैं वे भी कई बार बेहद कट्टर साबित होते हैं। उदाहरण के तौर पर हिटलर और जिन्ना का नाम लिया जाता है।

अखंड वन्देमातरम का संकल्प

क्रांतिगीत वंदेमातरम् को भी चाहिए न्याय

सर्वेश कुमार सिंह

"मोदी जी की इस प्रतिक्रिया के बाद देश को यह उम्मीद बंधी है कि फिर अखण्ड वन्देमातरम् को स्वीकार किया जाएगा। ऐसा करने का यह उचित और सही समय है, यह समय की भी मांग है।"

वंदेमातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण गए। देशभक्ति का स्फूरण है, उत्साह है। रोम-रोम देशभक्ति की भावना से पुलकित है। वंदेमारतरम् दरअसल सिर्फ गीत नहीं है, यह देशभक्ति का प्रेरणापुंज है, यह मंत्र है। इसके शब्द, "बीज मंत्रों" से आच्छादित हैं। जब यह अवतरित हुआ तब से आज तक भारत की एकता, विविधता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बना है। गीत ने राजनीतिक दूरियां मिटा दी थीं, उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्रीय एकता का संदेश और क्रांति की प्रेरणा दी। गुलामी की बेडियों में जकड़ी भारत मां को मुक्त कराने के लिए क्रांति कर दी थी। लाखों युवाओं को क्रांति की मशाल हाथ में थमा दी थी, और वे स्वतत्रतता का लक्ष्य लेकर निकल पड़े थे। आज उसी वंदेमातरम् को न्याय की आवश्यकता है। उसके मूल स्वरूप में स्वीकारोक्ति की आवश्यकता है। राजनीति में तुष्टिकरण के विद्रूप स्वरूप के वशीभूत कांग्रेस ने वंदेमातरम् को खण्डित कर दिया था। राजकीय स्तर पर केवल आरम्भिक दो छन्द ही स्वीकार्य हैं। सम्पूर्ण और अखण्डित वंदेमातरम् आज भी राजकीय मान्यता से बाहर है। इसे राष्ट्रगीत का दर्जो तो है लेकिन, उसके केवल एक संक्षिप्त अंश को ही। भारत इस गीत के 150 साल पूरे होने पर इसके मूल स्वरूप को स्वीकार करने की इच्छा और आकांक्षा संजोये है। अंग्रेजों के क्रूर शासन में जब भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता खण्डित की जा रही थी। बंगाल के सरकारी अधिकारी वंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय के हृदय में अंग्रेज सरकार के एक फैसले से क्षोभ उत्पन्न हो गया। उन्होंने भारत माता की स्तुति में एक गीत लिखने का निश्चय किया। चट्टोपाध्याय ने 7 नवम्बर 1875 को वंदेमातरम् की रचना कर दी। वंदेमारम् को कांग्रेस के अधिवेशन में प्रथम बार कलकत्ता में 1896 में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाया। वन्देमातरम् की यात्रा कई पड़ावों से होकर गुजरी है। इस यात्रा में गीत से अनन्य राष्ट्रभक्ति के ज्वार का देशव्यापी प्रसार शामिल है। तो वहीं गीत को अंग्रेजो के प्रतिबंध का सामना करना पड़ा है, भारत विभाजन की विचारधारा के पोषक वर्ग की मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए इसे खण्डित किया गया। कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 28 अक्टूबर 1937 को प्रस्तुत एक रिपोर्ट के बाद इसे खण्डित कर दिया गया। कांग्रेस ने उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया जिसमें इसके कई महत्वपूर्ण अंशों को काट दिया गया और केवल आरम्भ के दो छन्द ही स्वीकार किये गए। यह सब कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के कारण हुआ। दरअसल रामपुर के अली बन्धुओं का कांग्रेस में काफी दबदबा था। कांग्रेस उन्हें देश के प्रमुख मुस्लिम नेताओं के रूप में मान्यता देती थी। इन अली बन्धुओं के अनुरोध पर ही कांग्रेस ने खिलाफत आन्दोलन में भाग लेने का फैसला किया था। अली बन्धुओं में छोटे भाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उनकी अध्यक्षता में आन्ध्र प्रदेश के काकानाडा में 28 दिसम्बर 1923 से एक जनवरी 1924 तक अधिवेशन हुआ था।

अधिवेशन में परंपरागत रूप से "वंदेमातरम्" गायन होना निश्चित था। इसके लिए प्रख्यात संगीतज्ञ,गायक पंडित विष्णु दिगम्बर पुलस्कर उपस्थित हुए थे। उन्होंने जैसे ही गायन आरम्भ किया तो अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने विरोध कर दिया। उन्होंने गायन रोकने को कहा किन्तु वे नहीं रूके और पूरा वंदेमातरम् गायन किया। क्षुब्ध होकर मौलाना जौहर मंच छोड़कर चले गए। इस विरोध का कांग्रेस के तत्कालीन अन्य नेताओं पर गहरा प्रभाव हुआ। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए मौलाना जौहर की मांग पर एक समिति बना दी। इसी समिति की रिपोर्ट के आधार पर वंदेमातरम को खण्ड़ित किया गया। इसके साथ ही इसक अनिवार्य गायन से भी मुक्त कर दिया गया। यही खण्डित वंदेमातरम् 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया। वंदेमातरम् को राष्ट्रगीत के समकक्ष मान्यता देने का फैसला संविधान सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने सुनाया था।

अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदेमातरम् के खण्डित होने के भारत के दर्द को उजागर किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2025 को एकता नगर (केवडिया) में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर आयोजित कार्यक्रम में "वंदेमातरम्" के भी 150 वर्ष पूरे होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वंदेमातरम् के साथ वह किया जो अंग्रेज भी नहीं कर सके। यानि, कि वंदेमातरम् जैसे क्रांतिगीत और अनन्य राष्ट्रभक्ति की प्रेरक प्रार्थना को खण्डित कर दिया। आखिर हम क्यों न उस गीत को समग्र रूप में स्व ीक ार क र ें, जिस न े क्रांति कर दी। लाखों युवाओं के दिलों में क्रांति और देशभक्ति की लौ जला दी। क्या कुछ लोगों के विरोध के कारण हमें मौन बैठे रहना चाहिए ? क्या हम किसी विरोध के भय से हमेशा राष्ट्रीय प्रतीकों क साथ समझौते करते रहेंगे ? आखिर वन्देमातरम् पर समझौता करके भी क्या कांग्रेस ने भारत का विभाजन बचा लिया ? देश के विभाजन के लिये जिम्मेदार "द्विराष्ट्र" का सिद्धान्त क्या वंदेमातरम् की भावना से उपजा था? क्या वंदेमातरम् को खण्डित करके कांग्रेस भारत का विभाजन रोक सकी? जिन लोगों के नाराज होने के डर से वंदेमातरम् को खण्डित किया गया, क्या वे संतुष्ट हो गए थे। क्या उन्होंने खण्डित वंदेमातरम् के दो छंदों को भी कभी स्वीकारा। इस खण्डित वंदेमातरम् के खिलाफ भी देवबंद के दारूल उलूम ने फतवा दिया। इतना ही नहीं 3 नवम्बर 2009 को देवबंद में ही आयोजित जमीअत-उलेमा-ए-हिन्द के अधिवेशन में वंदेमातरम् को नहीं गाने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। मुरादाबाद और संभल से सांसद रहे डा शफीकुर्रहमान वर्क ने संसद में विरोध किया। उन्होंने दो बार 2013 और 2019 में संसद में इसका विरोध किया। यह सात नवंबर "अखण्ड वंदेमातरम् संकल्प दिवस" बन जाए तो एक बार फिर आनन्द मठ का वंदेमातरम् ही देश में गूंजेगा।

विज्ञान और स्वास्थ्य ...

उमेश कुमार साहू

सोशल मीडिया : जुड़ने की चाह में टूटता इंसान

आज सोशल मीडिया मात्र एक संचार माध्यम नहीं रहा. यह हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है लेकिन इसकी यह सर्वव्यापकता अब वरदान से अधिक अभिशाप बनती जा रही है। यह एक ऐसी कल्पना की दुनिया है जहाँ हर चीज़ चमकती है मगर असलियत धीरे-धीरे खो रही है। इस वर्चुअल संसार की चकाचौंध में लाखों युवा अपनी पहचान, आत्म-सम्मान और मानसिक स्थिरता खोते जा रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रहार

विज्ञान और स्वास्थ्य अनुसंधानों ने स्पष्ट किया है कि किशोरों में सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग अवसाद (depression), चिंता (anxiety) और आत्म-हानि की प्रवृत्ति से जुड़ा हुआ है। हाल के वैश्विक अध्ययनों में पाया गया है कि जो किशोर दिन में कई घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें मानसिक पीड़ा और आत्मघाती विचारों की संभावना कई गुना अधिक है। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं, यह हमारे समाज की नई मानसिक महामारी है।

तुलना का जहर

सोशल मीडिया ने "तुलना" को जीवन का नया पैमाना बना दिया है। पहले तुलना पड़ोसी से होती

थी, अब दुनिया भर के लोगों से होती है। हर तस्वीर, हर रील, हर पोस्ट एक चुनौती बन चुकी है - "क्या मैं भी इतना सुंदर, सफल या खुश हूँ?" यह तुलना युवाओं के मन में असंतोष, ईर्ष्या और आत्म-अविश्वास भर रही है। बाहरी मान्यता के बिना वे स्वयं को अपूर्ण समझने लगे हैं। यही मानसिक टूटन अंततः तनाव, अवसाद और आत्महत्या जैसी त्रासदियों का कारण बनती है।

हिंसा और विकृति का प्रसार

सोशल मीडिया केवल दिखावे का मंच नहीं रहा, यह अब हिंसक व्यवहार का प्रेरक भी बन गया है। छोटे-छोटे झगड़े "स्टोरी" और "पोस्ट" से भड़कते हैं, वीडियो और टिप्पणियाँ दुश्मनी को हवा देती हैं। युवाओं में हथियारों की फोटो और खतरनाक ट्रेंड्स का प्रचलन बढ़ रहा है। अश्लीलता, गाली-गलौच और घृणा-भाषा (hate speech) खुलेआम फैल रही है। यह सब मिलकर एक ऐसे वातावरण को जन्म दे रहा है, जहाँ संवेदनशीलता मर रही है और आक्रोश पल रहा है।

डिजिटल लत का जाल

एक सर्वे के अनुसार 13–17 वर्ष के 95% किशोर किसी न किसी सोशल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हैं, और लगभग एक-तिहाई "लगातार ऑनलाइन" रहते हैं। यह निर्भरता धीरे-धीरे उन्हें नींद, अध्ययन, रिश्तों और आत्म-चिंतन से दूर कर रही है। वे स्क्रीन पर दूसरों का जीवन जीते हैं, पर अपना जीवन भूल जाते हैं। यह डिजिटल डोपामिन की लत है, जो मन को तात्कालिक सुख देती है, लेकिन दीर्घकालिक असंतोष और रिक्तता छोड़ जाती है।

समाधान की राह

अब भी संभल सकते हैं हम

डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy) : बच्चों और युवाओं को सिखाना होगा कि क्या वास्तविक है और क्या छलावा।

समय सीमा और पारिवारिक निगरानी : सोशल मीडिया उपयोग के लिए समय तय करना और घर में संवाद बढ़ाना आवश्यक है।

मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा : स्कूलों में परामर्श (काउंसलिंग) और आत्म-जागरूकता पर ज़ोर दिया जाए।

नीतिगत नियंत्रण : सरकार और तकनीकी कंपनियों को हिंसक व अश्लील सामग्री पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

एल्गोरिदम की पारदर्शिता : कंपनियों को यह बताना होगा कि वे किस प्रकार का कंटेंट बढ़ावा दे रही हैं और क्यों।

यदि हम आज नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियाँ इस डिजिटल दलदल में और गहराई तक डूब जाएँगी।

तकनीक हमारी सेवक बने, स्वामी नहीं

सोशल मीडिया स्वयं बुरा नहीं है, पर उसका असमझा उपयोग विनाशकारी बन चुका है। यह हम पर निर्भर है कि हम इसे साधन बनाएं या स्वामी बनने दें। समाज को जागरूक होकर, विवेकपूर्ण उपयोग और मानवता को केंद्र में रखकर ही इस डिजिटल अंधकार से निकलना होगा वरना आने वाली पीढ़ियाँ चमकीली स्क्रीन के पीछे अंधेरे भविष्य की कैद में रह जाएँगी।

विविधता में...

डॉ. बालमुकुंद पांडे

स्व का विकास और सांस्कृतिक विरासत

' स्व ' की भावना मानवता, राष्ट्रीयता, एवं राष्ट्र चेतना के विकास के लिए आवश्यक है। मनुष्य में यह अव्यय इतिहास, संस्कृति, एवं राष्ट्र के प्रति आत्मीय लगाव बढ़ाती है। ' स्व' का भाव समृद्ध सभ्यता एवं उच्च संस्कृति पर गर्व का उन्नयन करता है। सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन में ' स्व' का प्रत्यय हृदय भाव उत्पन्न करता है जिससे मन एवं आत्मा में सांस्कृतिक विरासतों के प्रति अपनत्व व आत्मीयता का भाव उत्पन्न होता है। ' स्व' का प्रत्यय विविधता में एकता, राष्ट्र के भीतर सद्भाव और आत्म केंद्रित संकल्पना के उन्नयन में सहयोग से है। भारत की प्राचीन सभ्यता ₹सिंधु घाटी सभ्यता₹ मानवीय सभ्यता के विकास में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। ' स्व' से प्रेरित सभ्यताओं ने आंतरिक विकास के साथ-साथ वैश्विक विचारधाराओं एवं आध्यात्मिकता पर गंभीर प्रभाव डाला है। कर्म, धर्म, एवं योग की अवधारणाएं भारत के सभी वर्गों , पंथों ,एवं संप्रदायों व वैश्विक व्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव डाला है। योग की उपादेयता गंभीर बीमारियों में भी असरदार एवं स्वास्थ्यवर्धक सिद्ध हुई है। योग शारीरिक, मानसिक, एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए औषधि सिद्ध हुआ है। यह सभी संप्रत्यय ' स्व ' के विकास के कारण संभव हुआ है ।

भारत की सांस्कृतिक विरासत इतिहास ,आध्यात्मिकता, कला, एवं विविध परंपराओं का खजाना है जो शताब्दियों से पल्लवित पुष्पित हुई है। विविधता में एकता जो भारत के विरासत का आभूषण है ,जो भारत के शक्ति का स्रोत है, एकता का प्रतिबिंब है, जो भारत के भू - भागीय एकता को बढ़ाता है। भारत के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक परंपराएं भारत के भू- भाग में आकर्षक प्रभाव डाला है बल्कि वैश्विक स्तर पर मूल्यवान एवं गंभीर प्रभाव डाला है। यह अवधारणाएं व्यक्तिगत कल्याण एवं सामाजिक सौहार्द के प्रकाश को समाज, राज्य ,एवं व्यवस्था में संचरित करते हैं। सभ्यता के लिए भारतीय मूल्य में ' संस्कृति ' शब्द प्रयुक्त होता है, जो वास्तविक आशय में ' स्व' का विकास है। विविधता में एकता का सिद्धांत प्रकृति, ब्रह्मांड और जीवन का अंतर्निहित नियम है। विभिन्न समुदायों से संबंधित लोग विभिन्न भाषाओं को बोलते हैं, अलग-अलग भोजन करते हैं एवं विभिन्न रीति - रिवाजों का पालन करते हैं एवं भारत में सामंजस्य पूर्ण सामाजिक, राजनीतिक, एवं सांस्कृतिक संबंधों में रहते हैं। भारत की सांस्कृतिक विरासत की आत्मा इस अवधारणा में निहित है कि यह सभी धर्मों ,परंपराओं, रीति - रिवाजों और मान्यताओं का सर्वश्रेष्ठ संगम है जो ' स्व' की अवधारणा को प्रबोधित कर रहा है। वाराणसी में ' काशी कॉरिडोर' एवं अन्य परियोजनाओं ने शहर की गलियों ,नदियों के घाटों और मंदिरों के परिसर का कायाकल्प किया है।

जरा हटके

हाई कोर्ट का यह...

अमरपाल सिंह वर्मा

एक अदालती फैसला, जिसने दिखाया है समाज की सोच को आईना

अमूल्य है गृहिणियों का श्रम

राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल में एक उल्लेखनीय फैसला सुनाया है। यह फैसला न केवल एक सडक़ दुर्घटना से जुड़े मुआवजे का मामला है बल्कि यह उस अदृश्य आर्थिक और सामाजिक श्रम की पहचान भी है जिसे करोड़ों महिलाएं घर के भीतर हर दिन करती हैं। जस्टिस डॉ. नूपुर भाटी की एकलपीठ ने गृहिणी कमला कंवर की मौत के मामले में मुआवजा राशि में 3.15 लाख रुपए की बढ़ोतरी करते हुए यह स्पष्ट संदेश दिया कि 'गृहिणी की काल्पनिक आय' यानी उसके घरेलू कार्यों का आर्थिक मूल्य कभी कम करके नहीं आंका जा सकता।

हाई कोर्ट का यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अदालत ने माना है कि घर संभालना, भोजन बनाना, बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा या घर की व्यवस्था बनाए रखना जैसे सभी ऐसे काम हैं जिन पर परिवार की नींव टिकी होती है लेकिन समाज इन्हें 'काम' मानने से इनकार करता है। अदालत में बीमा कंपनी के वकील ने यह तर्क दिया कि मृतका कोई आय अर्जित नहीं कर रही थी और उसे 3000 रुपए मासिक मानना भी अधिक है। यह तर्क उस मानसिकता का परिचायक है जिसमें महिलाओं को घर के भीतर 'काम करने वाली' नहीं बल्कि 'घर बैठने वाली' माना जाता है मानो, महिलाएं घर में दिन भर निठल्ली बैठी रहती हों। जोधपुर जिले में वर्ष 2011 में सडक़ हादसे में बोलेरो गाड़ी की टक्कर से कमला कंवर की मौत हो गई थी। उसके पति ने

मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण में दावा याचिका दायर की थी लेकिन केस के लंबित रहने के दौरान उनका निधन हो गया। तब कमला कंवर के ससुर आनंद सिंह को आश्रित के रूप में पक्षकार बनाया गया। अभिकरण ने 24 मई 2017 को निर्णय में बोलेरो के ड्राइवर को लापरवाही से गाड़ी चलाने का दोषी पाया और दावेदार को कुल 4 लाख 33 हजार रुपए का मुआवजा दिया। इसमें निर्भरता की हानि के लिए 4 लाख 8 हजार रुपए और अंतिम संस्कार खर्च के लिए 25 हजार रुपए शामिल थे। अभिकरण ने मृतक महिला की आय मात्र 3 हजार रुपए मासिक आंकी थी और व्यक्तिगत खर्च के लिए एक तिहाई कटौती की थी। इसके निर्णय के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गई। हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को त्रुटिपूर्ण ठहराते हुए 2011 की न्यूनतम मजदूरी 4,650 को आधार माना और 40 प्रतिशत भविष्य की संभावनाएं जोड़ते हुए मुआवजे की राशि बढ़ाई। हाई कोर्ट यह निर्णय यह केवल एक वित्तीय संशोधन नहीं बल्कि न्यायालय का सामाजिक दृष्टिकोण है, जिससे प्रकट होता है कि गृहिणी का श्रम अदृश्य जरूर है लेकिन अमूल्य है। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि पत्नी द्वारा घर में किए गए योगदान को धन में नहीं तौला जा सकता। यह फैसला दरअसल न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता का उदाहरण है जिसने यह स्थापित किया है कि महिलाओं के निस्वार्थ घरेलू कार्यों को भी 'आर्थिक योगदान' की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। अदालत ने यह भी इंगित किया है कि मृतका की उम्र 40 वर्ष से कम थी, इसलिए भविष्य की संभावनाओं को जोडऩा आवश्यक था, यानी अगर वह जीवित रहती तो परिवार के आर्थिक और सामाजिक ढांचे में उसकी भूमिका लगातार बढ़ती। हमारे समाज में घरेलू काम को अक्सर 'प्यार' या 'कर्तव्य' की श्रेणी में रख दिया जाता है लेकिन आंकड़े बताते हैं कि यह न केवल भारी परिश्रम है बल्कि यह महिलाओं की आर्थिक स्वायत्तता को भी सीमित करता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मुताबिक दुनिया भर में पुरुष प्रतिदिन औसतन 83 मिनट बिना वेतन वाले देखभाल कार्यों में लगाते हैं जबकि महिलाएं लगभग 265 मिनट यानी इससे तीन गुना अधिक समय खर्च करती हैं।

धर्म

› ध्रुव-1

गुणी के गुणगान करना प्रायः सभी जानते हैं।अपने आराध्य को भगवान रूप भी मानते हैं पर जपना-तपना होता है उन्ही का जीवन सार्थक होता है जो की आत्मा को पवित्र बनाना भी जानते हैं। हम खाली हाथ आए हैं यह तो सब याद रखते है पर खाली हाथ ही जाना होगा इस बात को क्यों भूल जाते है सामने किसी देखते जाते हुए भी इसीलिए तो जीवन का सही मूल्यांकन नहीं करते, इसी विस्मृति में मोह माया के जाल में उलझ जाते है व अपराध करने में भी नहीं डरते हैं । जिन साधनों से आत्मा शुद्ध होती है वह धर्म हैं । बचपन में धर्म क्या यह जाना ही नहीं । जवानी में धर्म की जरूरत को माना ही नहीं । बुढापा आया तो शरीर ने साथ दिया ही नहीं ।अब पछतावे के सिवाय कुछ बचा ही नहीं है । क्या यह सही है ? हम जरा सोचें ! क्या हमारे हाथ हिंसा करते हुए कभी कांपे नहीं ? क्या झूठ बोलते हुए हम कभी घबराए नहीं ? क्या दूसरों की वस्तु अपनी बताते हुए हम कतराए नहीं ? क्या कभी पर पुरुष के प्रति गलत दृष्टि से हम देख पाए ? क्या परिग्रह का संचय कर मन ही मन स्वयं को हमने कोसा नहीं ? उपरोक्त बातें हम सबके जीवन में घटित होती है । धर्म का अर्थ क्या मंदिर जाना है? तपस्या करना ? तिथि (8+14 आदि) का पालन करना ? कंदमुल का त्याग? क्या सामयिक, प्रतिक्रमण करना है? आदि - आदि ।असल में इन चीजों का उद्देश्य स्वभाव को बदलना है लेकिन अक्सर लोग जीवन भर यह क्रियाऐं करते हैं और इसे ही धर्म बना लेते है लेकिन वे अपने अहंकार को छोड़कर सरल नहीं बन सकते हैं। क्रोध को छोड़कर विनम्र नहीं बन सकते है। ईर्ष्या छोड़कर उदार नहीं हो सकते है आदि - आदि । जब तक कि व्यक्ति अपनी

› क्रमशः आगे ।

› प्रदीप छाजेड़

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे, पुलिसकर्मियों ने थानों में गाया राष्ट्रगीत

एसीपी समेत सर्किल के थाना प्रभारियों ने पुलिसकर्मियों संग सुना प्रधानमंत्री का संबोधन

संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरमह्न के रचनाकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा इसकी रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को मोहनलालगंज सर्किल के थानों में उत्सव का माहौल देखने को मिला। कोतवाली मोहनलालगंज, निगोहां और नगराम थानों में तैनात पुलिसकर्मियों ने सामूहिक रूप से इस गीत का गायन किया और देशभक्ति की भावना को नई ऊर्जा प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सजीव संबोधन भी सुना, जिससे राष्ट्रीय गौरव और उत्साह में वृद्धि हुई। मोहनलालगंज कोतवाली में कार्यक्रम में एसीपी विकास कुमार पांडे और प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह, निगोहां थाने में प्रभारी अनुज कुमार तिवारी तथा नगराम थाने में प्रभारी विवेक कुमार चौधरी समेत सभी पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

एसीपी विकास कुमार पांडे ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य युवा पीढ़ी में राष्ट्रवाद की भावना को प्रज्वलित करना और स्वतंत्रता संग्राम के इस अमर गीत की महत्ता को याद दिलाना था। कार्यक्रम ने पुलिसकर्मियों और नागरिकों में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया।

शराब के नशे में धुत युवक ने घर के बाहर बैठी महिला को पीटा

मोहनलालगंज, लखनऊ

। उत्तरगांव निवासी सुनील कुमार ने पुलिस को शिकायत दी कि बीते गुरुवार की रात करीब आठ बजे उनकी मां शांति देवी घर के बाहर बैठी थीं। इसी दौरान शराब के नशे में धुत अनूप मौके पर पहुंचा और गाली-गलौज करने के बाद महिला की पिटाई कर घायल कर दिया। आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी और फिर मौके से भाग निकला।

प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मोहनलालगंज में तृतीय श्याम संकीर्तन भक्तिमय वातावरण में झूमे श्रद्धालु

चेयरमैन प्रतिनिधि अजय पांडेय 'सत्यम' ने किया दीप प्रज्वलन

संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मऊ कस्बे के प्राचीन दुर्गा माता मंदिर परिसर में गुरुवार की देर शाम श्री श्याम भक्त मंडल द्वारा आयोजित तृतीय श्याम संकीर्तन में भक्तिमय वातावरण रहा। नगर पंचायत मोहनलालगंज के चेयरमैन प्रतिनिधि अजय पांडेय 'सत्यम' ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर पवन मिश्रा, कंचन त्रिवेदी, आशीष चित्रवंशी और अनुष्का मिश्रा सहित प्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। हजारों भक्तों ने बाबा श्याम के दरबार में मत्था टेका और भक्ति रस में झूमते हुए रातभर संकीर्तन का आनंद लिया। संकीर्तन ने यह साबित किया कि श्याम प्रेम सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक आत्मिक अनुभव है, जो हर साल लोगों के दिलों को भक्ति और आस्था से जोड़ता है।

आजाद मैदान में बच्चों ने दिखाया दमखम

खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार मुकाबला

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश बिंदेश्वरी ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। शुक्रवार को कनकहा के आजाद मैदान में माय भारत, लखनऊ के सौजन्य से उपनिदेशक विकास कुमार सिंह के देख-रेख में खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश बिंदेश्वरी ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने आजाद मैदान में ओपन जिम का उद्घाटन भी किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कबड्डी में बालक वर्ग में विजेता एसएसएस

बिंदौआ रही जबकि उपविजेता भैरमपुर बुल्स रही। बालिका वर्ग में विजेता प्राथमिक विद्यालय गौरा और उपविजेता बजरंग योद्धा रही। 400 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम जतिन, द्वितीय प्रीतम, तृतीय रोहित रहे। 100 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में प्रथम अराध्या, द्वितीय शिल्पा, तृतीय इशिका सिंह रही।

लंबी कूद में बालक वर्ग में प्रथम राजन, द्वितीय राहुल, तृतीय शुभम रहे, जबकि बालिका वर्ग में प्रथम अराध्या, द्वितीय शालू, तृतीय इशिका सिंह रही। सभी विजेताओं को ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश बिंदेश्वरी, जिला पंचायत सदस्य अरुण कुमार यादव और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विनोद साहू द्वारा पदक, प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान किए गए।

निर्णायक मंडल में ए एस डिफेन्स एके-डमी प्रबंधक पूर्व सैनिक अजीत कुमार, आशीष कुमार, आरती दीक्षित, आलोक पहलवान और आंशिक यादव महिला मंगल दल अध्यक्ष उपस्थित रहे। बच्चों ने प्रतियोगिता में उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे यह कार्यक्रम यादगार बन गया।

बुलेट बाइक खड़ी बस से टकराई छात्र की मौत, सहपाठी घायल

संवाददाता

आलमबाग ।आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर एच में शुक्रवार सुबह साढ़े सात बजे के लगभग तेज रफ्तार में अनियंत्रित बुलेट बाइक खड़ी बस से जा टकराई। हादसे में बुलेट सवार 11वीं के छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

परिजनों ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई से इनकार कर दिया। वहीं चोटिल छात्र उपचार पश्चात घर चला गया। आशियाना के सेक्टर एच स्थित स्टेला मैरी स्कूल के 11वीं का छात्र वैभव कुमार झा (17) पुत्र संतोष कुमार, अपने क्लासमेट शाश्वत के साथ बुलेट बाइक से स्कूल के बाहर चक्कर लगा रहा था स्कूल के अन्य छात्र पिकनिक जाने की तैयारी में थे,पिकनिक जाने के लिए बस स्कूल के बाहर खड़ी थी इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर खड़ी बस से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैभव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शाश्वत घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने वैभव को मृत घोषित कर दिया। आशियाना कोतवाली प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया कि परिजन किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते थे। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

बाइक सवार स्नैचरों ने दो मोबाइल फोन छीन हुए फरार

आलमबाग ।

कृष्णा नगर कोतवाली के बारावीरवा चौराहे पर बीते एक नवंबर की अर्धरात्रि बस का इंतजार कर रहे एक व्यापारी का दो आईफोन बाइक सवार बदमाश छीन तेज रफ्तार में फरार्टा भरते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की शिकायत ऑनलाइन की है । कृष्णा नगर इंस्पेक्टर के अनुसार गोरखपुर जनपद के कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला मुकुल गुप्ता पुत्र कृष्ण मोहन गुप्ता बीते 31 अक्टूबर को व्यापार के सिलसिले में लखनऊ आया था और एक नवंबर की रात्रि करीब 1 बजे वापस अपने गृह जनपद जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था,इस बीच एक बाइक पर सवार दो अचानक से झपट्टा मार कारोबारी का दो कीमती मोबाइल फोन छीन फरार्टा भरते हुए कानपुर रोड की ओर से फरार हो गया।पीड़ित ने मौके पर मौजूद यातायात पुलिस कर्मियों से मदद मांगी लेकिन ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने ऑनलाइन शिकायत करने की बात कह व्यापारी को चलता किया। व्यापारी के अनुसार अत्यधिक सामान होने पर वह थाने पर शिकायत नहीं किया और अपने जनपद वापस लौट गया । कारोबारी ने ऑनलाइन मोबाइल फोन छीनने की शिकायत की है। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

फ्लैट में घुसकर युवतियों से अभद्रता,मारपीट मुकदमा दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के साउथ सिटी सेक्टर जे स्थित फ्लैट में रहने वाली युवतियों ने पड़ोसियों पर फ्लैट में घुसकर अभद्रता करने,विरोध पर गाली गलौच,मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पीजीआई कोतवाली पुलिस को नामजद तहरीर दी है पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। सीतापुर जनपद की रहने वाली रूबी वर्मा, पिता का नाम रामभरोसे, हाल पता फ्लैट नंबर- 301 टॉवर -8 यूनीटेक अपार्टमेंट ,साउथ सिटी सेक्टर जे, राय बरेली रोड लखनऊ में अपनी बहन के साथ रहती हैं।और प्रोफेसर (डॉ.) राज शरण शाही, निदेशक स्कूल आफ एजुकेशन बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर के घर में काम करती हैं।

रूबी वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीते गुरुवार रात करीब 10.56 बजे रात को फ्लैट -201 की अनीता पाण्डेय इनके फ्लैट के अंदर घुस आई,और जोर-जोर से चिल्लाने लगी कि तुम लोग शोर बहुत करते हो तुम लोगो की वजह से मै सो नही पाती, इस बात पर घर में मौजूद भईया शुभम सिंह सेंगर व दीदी प्रगति शाही ने कहा कि यहां कोई शोर नही हुआ इस बात पर अनीता और तेज चिलाने लगी, और फिर नीचे से बी बी पाण्डेय उपर आकर एकाएक लड़ना झगड़ना शुरू कर दिए, और रूबी वर्मा का दुपटा खींच लिए, तथा प्रगति शाही को भी खींचकर मारा, हम सब द्वारा रोकने पर जान से मारने की कोशिश की,और धमकी देते हुए भाग निकले जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग पास में मौजूद है।

कन्नौज से लापता बुजुर्ग महिला रहीमाबाद में परिजनों को बुलाकर किया हवाले

श्याम सिंह यादव के अपूर्णनीय सहयोग राहुल कनौजिया के संरक्षण में रही सुरक्षित

संवाददाता

सरोजनीनगर। उ०प्र० के जनपद कन्नौज के अर्न्तगत ग्राम रामपुर मदरा, कोतवाली कनौज की निवासिनी रामदेवी पत्नी स्व० रामपाल जो रिश्तेदारी में गयी थी, वापस आने पर गोसाईगंज स्टेशन से एक्स्प्रेस ट्रेन में धोखे से बैठ गयी जिससे वह लखनऊ रेलवे स्टेशन पर उतर गयी, वहाँ की चकाचौंध से वह घबरा गयी और स्टेशन से बाहर निकल कर वह अनजान शहर व अनजान राह पर भटकती रही । भटकते हुए वह बिजनौर रोड़ से एयरपोर्ट के पीछे स्थित रहीमाबाद-बिजनौर सीमा पर भक्ती खेड़ा निवासी बहोरन यादव के खेतों के पास झाड़ियों में ड4 नवम्बर मंगलवार को दोपहर में भय व दहशत के आगोश में छिपकर बैठी थी, बहोरन यादव ने पास जाकर उसकी हालत को देखकर उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करके, राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र, भारत कनेक्ट के पत्रकार अर्जुन सिहं को दी, वहाँ बुलाकर महिला का स्मरणीय वीडियो बनवाया गया, राहुल कनौजिया द्वारा महिला को आश्रय देकर भोजन व्यवस्था कर-के,अपनी जिम्मेवारी निभाने के साथ ही अंकुर कुमार,चौकी इंचार्ज नटकुर थाना बिजनौर लखनऊ को सूचित कर दिया।

पत्रकार पीड़ित महिला को उसके परिवार से मिलाने के लिए कन्नौज निवासी श्याम सिंह यादव पूर्व सैनिक, थाना बिजनौर, लखनऊ से सम्पर्क करके महिला का वीडियो उनके पास भेजा गया । श्याम सिंह यादव ने तत्काल कलीम खाँन, जिलाध्यक्ष

समाजवादी पार्टी, कन्नौज से सम्पर्क करके उनको पीड़ित महिला की सम्पूर्ण जानकारी दिये जाने पर, उनके द्वारा विधानसभा अध्यक्ष सपा कन्नौज को उक्त महिला के घर जाकर, उनके परिजनों को सूचना देने के लिए तत्काल भेजा गया । परन्तु जब संतोषजनक प्रतिउत्तर न मिलने पर, पत्रकार द्वारा सी.ओ.सिटी,कन्नौज से सम्पर्क कर घटना की पूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया, तो उन्होंने तत्काल इंस्पेक्टर राधेश्याम सिंह कोतवाली कन्नौज से वार्ता कराने पर पुलिस की सक्रियता व सपा पार्टी पदाधिकारियों के दबाववश परिजन पीड़ित महिला का बड़ा बेटा राम लडैते बुधवार को रहीमाबाद गाँव पहुंचकर, वहाँ अपनी माँ को देखकर पहचान व माँ-बेटे के मिलन से माँ के चेहरे पर खुशियाँ लौट आयीं । पीड़िता रामदेबी के पुत्र राम लडैते अपनी माँ रामदेबी, श्याम सिंह यादव, बहोरन यादव, व राहुल कनौजिया के साथ पुलिस चौकी नटकुर थाना बिजनौर लखनऊ में तहरीर देकर लिखा पढ़ी पूर्ण कर अपनी माँ के साथ कन्नौज के लिए रवाना हो गया। पीड़ित महिला की मसीहा बनी राहुल कनौजिया की पत्नी शिवानी कनौजिया ने दरियादिली दिखाते हुए, जहाँ चार साड़ी उपहार में भेंट किया, वहीं श्याम सिहं यादव ने गृह जनपद की मदद स्वरूप 600/- किराया खर्चे के लिए निस्वार्थ भाव से दिया ।

जमीन विवाद में पिता-पुत्र ने युवक को पीटा, मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज, लखनऊ

। निगोहां क्षेत्र के उत्तरावां मजरा कुर्मिनखेड़ा निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि बीते गुरूवार को वह अपनी सहन की जमीन पर बंगला बनाने का कार्य कर रहे थे। तभी विपक्षी रामकैलाश और उसका पुत्र अनुज मौके पर पहुंचे और विरोध जताते हुए गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर धर्मेन्द्र कुमार की बुरी तरह पिटाई कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। थाना प्रभारी निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

समाजसेवा की राह पर अग्रसर डॉ. अजय पाण्डेय 'सत्यम'

समाजसेवी स्व० सुजीत पाण्डेय की पंचम पुण्यतिथि पर दिव्यांगों और जरूरतमंदों के लिए कंबल व सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे

संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। नरेडको उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष, व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं नगर पंचायत मोहनलालगंज चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अजय पाण्डेय 'सत्यम' ने बताया कि जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आगामी 20 दिसंबर को उनके पिता, समाजसेवी एवं व्यापारी नेता स्वर्गीय सुजीत पाण्डेय की पंचम पुण्यतिथि के अवसर पर विविध सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

डॉ. पाण्डेय ने कहा कि इन

कार्यक्रमों का उद्देश्य उनके पिता के जीवन मूल्यों – सेवा, संवेदनशीलता और समाजसेवा की भावना – को आगे बढ़ाना है। इस दौरान आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय और दिव्यांगजनों की मदद करने का संकल्प लिया गया है।

सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रमुख कंबल वितरण अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत क्षेत्र के वृद्धजन, निराश्रित व दिव्यांग साथियों को कंबल और सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।

इसी क्रम में शुक्रवार को ज्योतिनगर कॉलोनी, ज्योतिनगर अस्पताल और कोडरी गांव में कूपन वितरित किए गए। बताया गया कि नगर पंचायत मोहनलालगंज के सभी गांवों में ट्रस्ट के स्वयंसेवक घर-घर जाकर कूपन वितरण करेंगे, ताकि कोई भी जरूरतमंद इस सेवा से वंचित न रहे।

डॉ. अजय पाण्डेय ने कहा कि यह पूरा अभियान समाज के प्रति कृतज्ञता और मानवीय सेवा की भावना को समर्पित है, जो उनके पिता स्वर्गीय सुजीत पाण्डेय के आदर्शों से प्रेरित है।

सरकारी जमीन पर कब्जे का पदार्फाश

मोहनलालगंज, लखनऊ । तहसील मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत भगवानपुर में हाइवे किनारे स्थित बंजर भूमि पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। निगोहां के ग्राम प्रधान अभयकांत दीक्षित द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायत के बाद राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और भूमि की नापजोख की। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि बेशकीमती सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कई दुकानों का निर्माण किया गया था। नापजोख व जांच में कब्जा गांव के पूर्व प्रधान का पाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह कब्जा वर्षों से चला आ रहा था और दुकानों से किराया भी वसूला जा रहा था। ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण के समय तत्कालीन राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से यह कार्य किया गया था और उस समय विरोध करने वालों को दबा दिया गया था।

चार दिवसीय पौराणिक हटिया मेले का हुआ भव्य शुभारंभ

भाजपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी ने भोलेनाथ पूजन के साथ किया उद्घाटन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

संवाददाता

लखनऊ। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर के ठीक बाद, द्वितीया तिथि पर, कानपुर रोड स्थित सई नदी के तटवर्ती श्री रेतेश्वर महादेव धाम के समीप आयोजित चार दिवसीय पौराणिक हटिया मेले का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता शिव शंकर सिंह शंकरी द्वारा भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजन एवं जलाभिषेक के साथ किया गया। भक्ति रस से सराबोर वातावरण में सैकड़ों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जो इस प्राचीन परंपरा का जीवंत प्रमाण बनी। मेले में कई जनपदों से दुकानदारों ने अपनी रंग-बिरंगी दुकानें सजाईं, जहाँ हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र और स्थानीय व्यंजनों की चहल-पहल रही। बच्चों ने चटोरी गली में गोलगप्पे का स्वाद चखा और झूले झूलकर आनंद मनाया, वहीं महिलाओं ने जमकर खरीददारी की।

मेला कमेटी के अध्यक्ष पूर्व प्रधान श्री राकेश सिंह एवं प्रधान बनी श्री रमेश कुमार गुप्ता सहित कमेटी के सदस्यों ने बताया कि दुकानदारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ की गई हैं झ साफ-सफाई, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था सहित। शंकरी सिंह ने प्राथमिक विद्यालय स्थित कैम्प कार्यालय से लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि पौराणिक हटिया मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव है, जो हमारे सामाजिक भाईचारे को मजबूत करता है। बाबा भोलेनाथ की कृपा से यह आयोजन सफल हो।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राधेलाल रावत, पूर्व विधान परिषद सदस्य प्रदीप सिंह, मंडल अध्यक्ष विवेक राजपूत विनय दीक्षित, पार्षद मनोज रावत कुंवर विनोद सिंह, विद्याधर दीक्षित सज्जन पाल, ई. शिव कुमार सिंह चौहान, चच्चू, शिवनारायण सिंह चौहान, प्रधान ईंटगाव मोले पाल, प्रधान गढ़ी चिनौटी रितेश सिंह पूर्व प्रधान शशिकांत तिवारी, प्रधान नानमऊ नीरज सिंह पूर्व प्रधान खुरमपुर संतोष सिंह पूर्व प्रधान बरकताबाद सांवले सिंह पूर्व प्रधान अहमामऊ राकेश रावत पूर्व प्रधान हसनपुर खेवली दिनेश पाल पूर्व प्रधान इंदवारा धर्मेंद्र सिंह पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य माखन सिंह अभिषेक सिंह कीर्ति वर्धन सिंह सोनू सिंह आलोक सिंह सुधीर मिश्रा विकास सिंह अचल गौतम संतोष रावत राममिलन रावत पूर्व प्रधान सानू खां रऊफ खान, नदीम अहमद, दिनेश लोधी, दिलीप रावत सहित दर्जनों प्रधान व जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे। मेला अगले चार दिनों तक चलेगा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियाँ आयोजित होंगी। हर हर महादेव!

रिक्शा पर बैठी महिला यात्री का पर्स चोरी,दो हफ्ते बाद मुकदमा दर्ज

आलमबाग । कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र के मैट्रो स्टेशन के पास दो सप्ताह पूर्व महिला गैंग ने ई रिक्शे पर बैठी एक महिला का गहनों और नगदी से भरा बैग चोरी हो गया । वारदात के बाद महिला दिल्ली चली गई थी वापस लौट कृष्णा नगर थाने शिकायत की है। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के पंडित खेड़ा निवासी प्रियंका त्रिपाठी पत्नी शशि कांत पाण्डेय के अनुसार बीते 24 अक्टूबर को वह अपने ससुराल जाने के लिए घर से निकली थी और ई रिक्शे पर बैठ कृष्णा नगर मैट्रो स्टेशन जा रही थी इस दौरान तीन अन्य महिलाएं भी रिक्शे पर बैठी हुई थी । महिला के अनुसार उसका पास बड़ा पर्स था जिसमें एक छोटा पर्स रखा हुआ था जिसमें 30 हजार नगद,एक सोने की चेन,चार अंगूठी,एक मंगलसूत्र और दो चांदी के कड़े रखे हुए थे जो पर्स चोरी हो गया ।

शहीदों की स्मृति में ज्ञानदान उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है:उमानन्द शर्मा

गायत्री ज्ञान मंदिर का ज्ञान यज्ञ अभियान, आर्यकुल पत्रकारिता एवं जनसंचार कॉलेज में हुई 452वें युगऋषि वाङ्मय की स्थापना

संवाददाता

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत आर्यकुल पत्रकारिता एवं जनसंचार कॉलेज, बिजनौर, सरोजिनीनगर के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 452वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। एस०पी० शर्मा एवं दीपा शर्मा ने अपने पुत्र अमर शहीद मेजर रितेश शर्मा की स्मृति में संस्थान के पुस्तकालय में युग ऋषि वाङ्मय साहित्य भेंट किये तथा उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकगणों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भी भेंट किये।

इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि शहीदों की स्मृति में ज्ञानदान उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। उमानन्द शर्मा ने अमर शहीद मेजर रितेश शर्मा की वीर गाथा पढ़कर सभागार में सुनाया। इस अवसर पर एस०पी० शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान की डीन रुचि सिंह तथा आर्य टीवी, आर्य प्रवाह पत्र के हेड डॉ० अजय शुक्ला ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान की उप निदेशक डॉ० अंकिता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि उमानंद शर्मा, देवेन्द्र सिंह, वी०के० श्रीवास्तव एवं संस्थान के प्रबन्ध निदेशक डॉ० सशक्त सिंह, रजिस्ट्रार सुदेश तिवारी, रुचि सिंह, डॉ० अंकिता अग्रवाल, सुदेश तिवारी, आर्य टीवी, आर्य प्रवाह पत्र के हेड डॉ० अजय शुक्ला, संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

बलिया स्टोरी स्लग–बीजेपी विधायक केतकी सिंह ने असम के सीएम हेमंता विश्वकर्मा के मदरसों वाले बयान का किया समर्थन

बलिया–बांसडीह बीजेपी विधायक केतकी सिंह ने असम के ब्ड–हेमंत विश्वकर्मा के मदरसों वाले बयान का किया समर्थन,कहा मदरसों के बच्चों को देश के प्रधानमंत्री तक का नाम नहीं मालूम। मदरसों में शिक्षा के अलावा सभी सिख दी जा रही है उसे चलाने की कोई आवश्यकता नहीं बलिया में बांसडीह विधानसभा से बीजेपी विधायक केतकी सिंह

ने देश में चल रहे मदरसों पर बड़ा बयान दिया कहा मदरसों के बच्चो को देश के प्रधानमंत्री तक का नाम नही मालूम। मदरसों में शिक्षा के अलावा सभी सिख दी जा रही है मदरसों को भी सरकार के अंडर में लाकर जो शिक्षा नीति पूरे देश मे लागू है हर विद्यालयों में लागू है वहां भी लागू कराया जाय अन्यथा मदरसों को चलाने की कोई आवश्यकता नही है।

थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया आबकारी अधिनियम से सम्बंधित 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 01 अदद कार से 90 ली0 अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

बलिया। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय बलिया श्री ओमवीर सिंह के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे सघन अभियान के क्रम में श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) महोदय श्री दिनेश कुमार शुक्ला के निकट पर्यवेक्षण व श्रीमान् क्षेत्राधिकारी श्री जयशंकर मिश्रा व थानाध्यक्ष वंश बहादुर सिंह के कुशल नेतृत्व मे थाना बांसडीहरोड पुलिस टीम को मिली सफलता ।

उल्लेखनीय है कि आज दिनांक–07.11.2025 को उ0नि0 आदर्श श्रीवास्तव मय हमराहध्कर्मचारीगण के साथ चेकिंग तलाशी व दबिश में मुखबिर खास से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 215/2025 धारा

60(1)ध्63 आबकारी अधिनियम व 207 एमवी एक्ट थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया 02 नफर अभियुक्तगण 1. धर्मराज महतो पुत्र रामदेव महतो स्थायी पता मानसी थाना मानसी जनपद खगड़िया बिहार वर्तमान पता 180 गाजियाबाद बाम्बे कालोनी थाना सिहानी गेट जिला गाजियाबाद उम्र 40 वर्ष 2. सन्तोष कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी जमालपुर कला माधोपुर थाना बासंडीहरोड जनपद बलिया उम्र 45 वर्ष को समय 01.40 बजे ग्राम बिगही से गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 01 अदद कार UP 78 CK 0040 में वप्पिबमत बीवपबम के कुल 225 टेट्रा पैक, 8P-M- के कुल 230 टेट्रा पैक व त्म्क त्मैप्च्छ के कुल 45 टेट्रा पैक कुल 500 अदद टेट्रा पैक (प्रत्येक टेट्रा पैक 180 M-L- अग्रेजी शराब) मात्रा 90 लीटर अबैध शराब बरामद किया गया, तथा कार UP 78 CK 0040 को नियमानुसार सीच करते हुए अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम व पता–

1. धर्मराज महतो पुत्र रामदेव महतो स्थायी पता मानसी थाना मानसी जनपद खगड़िया बिहार वर्तमान पता 180 गाजियाबाद बाम्बे कालोनी थाना सिहानी गेट जिला गाजियाबाद उम्र 40 वर्ष ।
2. सन्तोष कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी जमालपुर कला माधोपुर थाना बासंडीहरोड जनपद बलिया उम्र 45 वर्ष ।

बरामदगी–

officer choice के कुल 225 टेट्रा पैक
8च्ड. के कुल 230 टेट्रा पैक
RED RUSSION के कुल 45 टेट्रा पैक कुल 500 अदद टेट्रा पैक (प्रत्येक टेट्रा पैक180 M-L- अग्रेजी शराब) मात्रा 90 लीटर अबैध शराब बरामद ।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम–

1. उ0नि0 आदर्श श्रीवास्तव थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया ।
2. का0 संतोष यादव थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया ।
3. का0 हरिकेश यादव थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया ।
4. का0 लवकुश मौर्या थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया ।

पुलिस अधीक्षक महोदय बलिया द्वारा देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर दी गई शुभकामनाएं'

बलिया। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी बलिया, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी सदर, सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण के साथ आर0 डी0 हाल पुलिस लाइन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया।

महोदय द्वारा राष्ट्रगीत के लेखक स्व0 बंकिम चन्द्र चटर्जी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। उल्लेखनीय है कि आज दिनांक 07–11–2025 को श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय बलिया श्री ओमवीर सिंह द्वारा देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर दी गई शुभकामनाएं। एवं इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण के साथ देखा गया। इसी क्रम में जनपद के समस्त थानों द्वारा वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया।

एक ही चिता पर मां–बाप और बेटे का हुआ अंतिम संस्कार

रिपोर्ट अभिषेक शुक्ला ब्यूरो चीफ बहराइच

लही में एक ही चिता पर मां–बाप और बेटे का हुआ अंतिम संस्कार शोक में डूबा पूरा गांव सड़क हादसे में हुई मौत खबर है कि गुरुवार दोपहर करीब 2रू00 बजे खैरी घाट थाना क्षेत्र के लही गांव निवासी करण सिंह पत्नी सोनी

सिंह तथा 4 वर्षीय बेटा विष्णु सिंह का शो एक ही चिता पर रखकर अंतिम संस्कार किया गया इस दौरान क्षेत्र के तमाम लोग मौके पर पहुंचे पहाड़ सा दुख देखा सभी की आंखें नम रही मृतक करण सिंह के भाई दीपक सिंह ने सभी को मुखाग्नि दी मृतक परिवार।

चित्रकला प्रतियोगिता में रोली अव्वल

बहराइच। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा महिला पीजी कॉलेज में शुक्रवार को विकसित भारत 2047 के अंतर्गत जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती विद्या मंदिर के बच्चों द्वारा प्रस्तुत वंदे मातरम गीत से हुई। इसके बाद हुई चित्रकला प्रतियोगिता में रोली चौरसिया प्रथम, खुशी गुप्ता द्वितीय, महक वाल्मीकि एवं मो. अमन संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। कहानी लेखन में सबा खातून व भाषण में अवंतिका मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, समूह लोक नृत्य में सुप्रिया टीम प्रथम तथा निधि टीम द्वितीय स्थान पर रही।समूह लोक गायन में प्रतिमा पांडेय की टीम प्रथम तथा विज्ञान मेला में मरियम खालिक की टीम प्रथम, समर्थ त्रिपाठी की टीम द्वितीय, निधि सोनी की टीम एवं अंजलि कश्यम की टीम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही।

दुर्घटना मुक्त भारत के लिए, जागरूकता ही विकल्प: कृष्णा शर्मा

कानपुर। विश्व स्तर पर भारत आज विकास की तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जो कि हर देशवासी के लिए गर्व का विषय है। परंतु इसी विकास यात्रा के बीच बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की संख्या एक गंभीर चिंता का कारण बन गई है। इन दुर्घटनाओं को रोकने का एकमात्र प्रभावी उपाय हैरू जनजागरूकता।

इन्हीं विचारों को साझा करते हुए वरदान फाउंडेशन के संस्थापक एवं महासचिव कृष्णा शर्मा ने रामादेवी स्थित आर.जी. एकेडमी में आयोजित यातायात जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्रों को संबोधित किया।

कार्यक्रम यातायात माह के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें टीएसआई अशोक कुमार यादव ने बच्चों को सड़क

सुरक्षा नियमों की जानकारी बड़े ही सरल और रोचक ढंग से दी। उन्होंने बताया कि सड़क पर चलते या वाहन चलाते समय किन सावधानियों का पालन करना चाहिए और हेलमेट तथा सीट बेल्ट के प्रयोग से जीवन कैसे सुरक्षित रह सकता है।

संस्थान के छात्रों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और सड़क सुरक्षा के नियमों को समझने में गहरी रुचि दिखाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृष्णा शर्मा, वरदान फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यवाहक कमल कटियार, टीएसआई अशोक कुमार यादव एवं उनके सहयोगी, साथ ही विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मीना मिश्रा एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही।

अपने संबोधन में कृष्णा शर्मा ने कहा कि "सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कानून तो मौजूद हैं, लेकिन जब तक समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक दुर्घटनाओं में कमी संभव नहीं। हमें स्वयं भी नियमों का पालन करना होगा और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना होगा।"

कार्यक्रम के अंत में छात्रों को संदेश दिया गया कि वे अपने परिजनों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें और "सड़क सुरक्षा दृ जीवन रक्षा" की भावना को समाज में प्रसारित करें।

दहेज हत्या के दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

महराजगंज से जिला संवाददाता मोहम्मद अली की खास रिपोर्ट

महराजगंज। थाना पनियरा पुलिस ने दहेज हत्या के एक संवेदनशील मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक महराजगंज सोमेन्द्र मीना के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में की गई।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शादी अभियुक्त परमानन्द सहानी से हिन्दू रीति–रिवाज के अनुसार हुई थी। आरोप है कि ससुराल पक्ष द्वारा 26 अक्टूबर 2025 की शाम लगभग 6 बजे अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर पीड़िता के साथ गाली–गलौज, मारपीट व प्रताड़ना की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

गंभीर रूप से घायल पीड़िता को इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान 31 अक्टूबर 2025 की रात लगभग 8.40 बजे उसकी मृत्यु हो गई।

घटना के संबंध में पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर थाना पनियरा में मुकदमा अपराध संख्या 444/2025 धारा 85, 80(2), 352, 351(3) बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के नाम

1. सोधनाथ पुत्र शंकर, निवासी ग्राम डोमरा खास, थाना पनियरा, जनपद महराजगंज
2. परमानन्द पुत्र सोधनाथ, निवासी ग्राम डोमरा खास, थानापनियरा, जनपद महराजगंज।

दोनों अभियुक्तों को 6 नवम्बर 2025 को अकटहवा पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना ने कहा कि दहेज जैसी कुप्रथा के खिलाफ जिला पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ऐसे मामलों में त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि दहेज उत्पीड़न या हिंसा की किसी भी घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

बलिया जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के क्रम में वेंडिंग जोन की आज ददरी मेला परिसर में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष खुली नीलामी की गई

जिसमें मीडिया बंधु,दर्शक और बोलीकर्ता सहित अधिकारी उपस्थित रहे। यू ट्यूब से लाइव किया गया। आज निम्न नीलामी की बोली लगाई गई।

(1) एस के कंस्ट्रक्शन,उमाशंकर और कपिलेश्वरी फर्म सहित कुल तीन फर्मों ने प्रतिभाग किया। (2)वेंडिंग जोन से प्राप्त विगत वर्ष 2024 में धनराशि 4.65 लाख रुपए के सापेक्ष इस बार वर्ष 2025 में 7.85 लाख सर्वाधिक बोली लगाई गई जो पिछले वर्ष से 3.20 लाख रुपए अधिक है। मुख्य राजस्व अधिकारी

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।